27-09-2022

144 recruited during campus placement

PNS ■ KANPUR

Director of National Sugar Institute (NSI), Prof Narendra Mohan, on Monday informed that during the first phase of campus placement drive which commenced on September 8 at NSI here a total of 144 recruitments had been made by 12 reputed companies, including DCM Shri Ram Ltd, Balrampur Chini Mills Ltd, Dalmia Bharat Sugar Mills Ltd, Renuka Sugars Ltd, NSL Sugars, Mawana Sugar Works, ISGEC Ltd, Radico Khaitan Ltd. and Mawana Sugars Ltd. He said these companies had shown greater interest in recruiting students from Alcohol Technology, Sugar Engineering, Sugar Technology, Sugar Boiling, Quality Control and Environment Science streams.

He said these companies from all sugar producing states were recruiting students and NSI was sure that this year the students of all the courses shall get 100 per cent placement through campus. He said while 100 per cent placements had taken place for Alcohol Technology students, the remaining students of the other courses like Quality Control and Environment Science got placement within two months of joining the course, although they will pass out next year only. He said the NSI was flooded with requests from sugar units, distilleries and machinery manufacturers, which speaks volumes for the credentials of the institute.

Selected candidates of mega campus placement drive conducted at NSI.

Prof Mohan said the students of Sugar Technology, Sugar Engineering and Alcohol Technology while have been offered pay package of Rs 4 to 6 lakh per annum, the students of short duration certificate course like Sugar Boiling and Quality Control had been given pay packages of Rs 2-3 lakh per annum. Prof D Swain, Placement Officer said the NSI was going to arrange second phase of campus interviews from first week of October for which NSI have already received requests from reputed companies like Triveni Sugar and Industries Ltd, Dhampur Bio-organics Ltd, Dwarikesh Sugars Ltd and Avadh Sugar and Energy Ltd.

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में डिग्री से पहले 70 प्रतिशत छात्रों को नौकरी मिली

- कैंपस प्लेसमेंट के प्रथम चरण में 144 स्टूडेंट को कंपनियों ने जॉब ऑफर लेटर दिए
- शर्करा संस्थान नए एकेडमिक ईयर में नया डिस्टलरी फील्ड से रिलेटेड कोर्स शुरू करेगा

नगराज दर्पण समाचार

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में कैंपस प्लेसमेन्ट के प्रथम चरण मे 8 सितंबर से श अब तक डी.सी.एम. श्रीराम शुगर लिमिटेड, डालमिया भारत शुगर लिमिटेड, मवाना शुगर्स वर्क्स, रेणुका शुगर्स लिमिटेड, एन एस एल शुगर्स, उत्तम शुगर मिल्स लिमिटेड, आई एस जी ई सी लिमिटेड, रेडिको खेतान लिमिटेड एवं बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड सहित 12 कंपनियों द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों के 144 छात्रों का चयन किया जा चुका है। इन कंपनियों द्वारा शुगर टेक्नोलॉजी, शुगर इन्जीनियरिंग, अल्कोहॉल टेक्नोलॉजी, गुणवत्ता नियंत्रण, शुगर बॉयलिंग एवं पर्यावरण विज्ञान के पाठ्यक्रम के छात्रों को लेने में गहरी रूचि दिखाई है । संस्थान के निदेशक नरेंद्र कुमार ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि बताया कि बियर से रिलेटेड एक कोर्स नए एकेडमिक सत्र से शुरू किया जाएगा, इसकी प्लानिंग पूरी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि यह पहला अवसर है जब कैंपस प्लेसमेंट के दो चरणों में ही संस्थान के सभी छात्रों को शुगर इंडस्ट्री से जॉब ऑफर लेटर मिल जाएंगे। उन्होंने बताया कि शुगर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ,अल्कोहल टेक्नोलॉजी समेत कुछ कोर्सों में सीटें बढ़ाई जाएंगी।संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने बताया कि इस वर्ष जहां अल्कोहॉल टेक्नोलॉजी के छात्रों की मांग तेजी से बढ़ी है वहीं मशीनरी एवं रसायन निर्माता कंपनियों ने भी संस्थान के छात्रों के चयन में अपनी रूचि दिखाई है । उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस चलन को देखते हुए विभिन्न पाठ्यक्रमों का कैंपस के द्वारा 100 प्रतिशत प्लेसमेंट सम्भावित है। इस वर्ष देश के समस्त चीनी उत्पादक राज्यों से या तो चयन किया जा चुका है या उनसे अनुरोध प्राप्त हो चुका है। उन्होंने उन्होंने बताया कि यह हर्ष का विषय है कि जहाँ अल्कोहल टेक्नोलॉजी के छात्रों को प्रथम चरण मे ही 100न प्लेसमेंट मिल गया है, वहीं कुछ पाठ्यक्रमों के छात्र जो अगले वर्ष संस्थान से निकलेंगे, उनमे से भी अनेक का चयन किया जा चुका है।संस्थान के प्लेसमेन्ट ऑफिसर डी. स्वेन ने बताया कि इस वर्ष शुगर टेक्नोलॉजी, अल्कोहल टेक्नोलॉजी एवं शुगर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के छात्रों को लगभग रू. 4-6 लाख सालाना का पैकेज कंपनियों के द्वारा दिया जा रहा है, जबकि अल्प अवधि के प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रमों यथा शुगर बॉयलिंग तथा क्वालिटी कण्ट्रोल के लिए यह रू. 2-3 लाख सालाना है। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में त्रिवेणी इंजीनियरिंग एवं इंडस्ट्रीज लिमिटेड, द्वारिकेश शुगर लिमिटेड, धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स के अतिरिक्त देश के अन्य प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा साक्षात्कार आयोजित किये जायेंगे। प्लेसमेंट का दूसरा चरण अक्टूबर के द्वितीय सप्ताह से चालू होगा।

खुशखबरी : एनएसआई में 12 कंपनियों ने दी 144 छात्रों को नौकरी

अल्कोहल टेक्नोलाजी के छात्रों का 100 प्रतिशत प्लेसमेंट हुआ-निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन

कानपुर, 26 सितम्बर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में कैंपस प्लेसमेंट के प्रथम चरण में चीनी उद्योग से जुड़ी 12 कंपनियों ने शुगर टेक्नोलाजी, शुगर इंजीनियरिंग, अल्कोहल टेक्नोलाजी, शुगर बायलिंग आदि पाठ्यक्रमों से जुड़े 144 छात्र- छात्राओं को नौकरी दी है। इसमें शुगर बायलिंग कोर्स से जुड़े 40 फीसदी छात्रों को जाब आफर मिले है, जोकि कोर्स पूरा होने पर उनकी ज्वाइनिंग होगी। प्लेसमेंट में 3 छात्रों को सालाना छह लाख रुपये का पैकेज मिला है, जबकि पीजी के छात्रों को औसतन सालाना 4 से 6 लाख के बीच पैकेज रहा। कैंपस प्लेसमेंट का दूसरा चरण 27 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक चलेगा। साथ ही संस्थान में जल्द छह महीने का ब्रूइंग कोर्स शुरू होगा, जिसमें 25 सीटों पर विद्यार्थियों के प्रवेश होंगे। यह जानकारी एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने आज पत्रकारों को दी। निदेशक ने बताया कि चीनी की संतुलित और एथेनाल की डिमांड से चीनी उद्योग में बेहतरी के साथ ढेरों जाब आफर मिल रही है, जिसके चलते संस्थान में कैंपस प्लेसमेंट काफी बेहतर रहा है। प्रथम चरण में हुए प्लेसमेंट में अब तक डीसीएम श्रीराम शुगर लि. डालमिया भारत शुगर लि. मवाना शुगर्स वर्क्स, रेणुका शुगर्स लि., एनएसएल शुगर्स, उत्तम शुगर, मिल्स लि. आईएसजीआईसी, रेडियो खेतान लि एवं बलराम चीनी मिल्स लि सहित 12 कंपनियों आई थी, जिन्होंने 144 छात्रों को जाब आफर किये है। वहीं अल्प अवधि के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों के लिए सालाना 2 से 3 लाख रुपये का पैकेज मिला है। अल्कोहल टेक्नोलाजी से जुड़े छात्रों को 100 प्रतिशत जाब मिली है। वार्ता में डा. डी. स्वेन, असि. प्रो. संजय चौहान आदि मौजूद रहे।

चयनित छात्रों के साथ एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन व अन्य।

कैंपस प्लेसमेंट के प्रथम चरण में अब तक 70 प्रतिशत छात्रों का हो चुका है चयन

- 100 प्रतिशत छात्रों के चयन की पूरी संभावना
- दूसरा चरण अक्टूबर के द्वितीय सप्ताह में होगा

कानपुर (नगर छाया समाचार)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में कैंपस प्लेसमेन्ट के दिनांक 08.09.2022 से शुरु प्रथम चरण में अब तक डी.सी.एम. श्रीराम शुगर लिमिटेड, डालमिया भारत शुगर लिमिटेड, मवाना शुगर्स वर्क्स, रेणुका शुगर्स लिमिटेड, NSL शुगर्स, उत्तम शुगर मिल्स लिमिटेड, ISGEC लिमिटेड, रेडिको खेतान लिमिटेड एवं बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड सहित 12 कंपनियों द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों के 144 छात्रों का चयन किया जा चुका है। इन कंपनियों द्वारा शुगर टेक्नोलॉजी, शुगर इन्जीनियरिंग, अल्कोहॉल टेक्नोलॉजी, गुणवत्ता नियंत्रण, शुगर बॉयलिंग एवं पर्यावरण विज्ञान के पाठ्यक्रम के छात्रों को लेने में गहरी रूचि दिखाई गयी।

संस्थान के निदेशक श्री नरेंद्र मोहन ने बताया कि इस वर्ष जहां अल्कोहॉल टेक्नोलॉजी के छात्रों की मांग तेजी से बढ़ी है वहीं मशीनरी एवं रसायन निर्माता कंपनियों ने भी संस्थान के छात्रों के चयन में अपनी रूचि दिखाई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस चलन को देखते हुए विभिन्न पाठ्यक्रमों का कैंपस के द्वारा 100 प्रतिशत प्लेसमेंट सम्भावित है। इस वर्ष देश के समस्त चीनी उत्पादक राज्यों से या तो चयन किया जा चुका है या उनसे अनुरोध प्राप्त हो चुका है। उन्होंने कहा की ये हर्ष का विषय है की जहाँ अल्कोहल टेक्नोलॉजी के छात्रों को प्रथम चरण मे ही 100त्न प्लेसमेंट मिल गया है, वहीँ कुछ पाठ्यक्रमों के छात्र जो अगले वर्ष संस्थान से निकलेंगे, उनमे से भी अनेक का चयन किया जा चुका है।

संस्थान के प्लेसमेन्ट ऑफिसर श्री डी. स्वेन ने बताया कि इस वर्ष शुगर टेक्नोलॉजी, अल्कोहल टेक्नोलॉजी एवं शुगर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के छात्रों को लगभग रू. 4-6 लाख सालाना का पैकेज कंपनियों के द्वारा दिया जा रहा है, जबकि अल्प अवधि के प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रमों यथा शुगर बॉयलिंग तथा क्वालिटी कण्ट्रोल के लिए यह रू. 2-3 लाख सालाना है। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में त्रिवेणी इंजीनियरिंग एवं इंडस्ट्रीज लिमिटेड, द्वारिकेश शुगर लिमिटेड, धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स के अतिरिक्त देश के अन्य प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा साक्षात्कार आयोजित किये जायेंगे। प्लेसमेंट का दूसरा चरण अक्टूबर के द्वितीय सप्ताह से चालू होगा।

शर्करा संस्थान में 144 छात्रों का चयन खुलेंगे रोजगार के अवसर

आनंदी मेल संवाददाता

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में कैंपस प्लेसमेन्ट के दिनांक 08.09.2022 से शुरू प्रथम चरण में अब तक डी. सी. एम. श्रीराम शुगर लिमिटेड, डालमिया भारत शुगर लिमिटेड, मवाना शुगर्स वर्क्स, रेणुका शुगर्स लिमिटेड, छै शुगर्स, उत्तम शुगर मिल्स लिमिटेड, लिमिटेड, रेडिको खेतान लिमिटेड एवं बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड सहित 12 कंपनियों द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों के 144 छात्रों का चयन किया जा चुका है। इन कंपनियों द्वारा शुगर टेक्नोलॉजी, शुगर इन्जीनियरिंग, अल्कोहॉल टेक्नोलॉजी, गुणवत्ता नियंत्रण, शुगर बॉयलिंग एवं पर्यावरण विज्ञान के पाठ्यक्रम के छात्रों को लेने में गहरी रूचि दिखाई गयी। संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने बताया कि इस वर्ष जहां अल्कोहॉल टेक्नोलॉजी के छात्रों की मांग तेजी से बढ़ी है वहीं मशीनरी एवं रसायन निर्माता कंपनियों ने भी संस्थान के छात्रों के चयन में अपनी रूचि दिखाई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस चलन को देखते हुए विभिन्न पाठ्यक्रमों का कैंपस के द्वारा 100 प्रतिशत प्लेसमेंट सम्भावित है। इस वर्ष देश के समस्त चीनी उत्पादक राज्यों से या तो चयन किया जा चुका है या उनसे अनुरोध प्राप्त हो चुका है। उन्होंने कहा की ये हर्ष का विषय है की जहाँ अल्कोहल टेक्नोलॉजी के छात्रों को प्रथम चरण में ही 100 प्रतिशत प्लेसमेंट मिल गया है, वहीं कुछ पाठ्यक्रमों के छात्र जो अगले वर्ष संस्थान से निकलेंगे, उनमे से भी अनेक का चयन किया जा चुका है। संस्थान के प्लेसमेन्ट ऑफिसर डी. स्वेन ने बताया कि इस वर्ष परास्नातक पाठ्यक्रम के छात्रों को लगभग 4-6 लाख सालाना का पैकेज कंपनियों के द्वारा दिया जा रहा है, जबकि अल्प अवधि के प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रमों के लिए यह 2-3 लाख सालाना है। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में त्रिवेणी इंजीनियरिंग एवं इंडस्ट्रीज लिमिटेड, द्वारिकेश शुगर लिमिटेड, धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स के अतिरिक्त देश के अन्य प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा साक्षात्कार आयोजित किये जायेंगे।

एनएसआई : कोर्स पूरा होने के पहले ही मिल गई नौकरी

एनएसआई में जानकारी देते निदेशक नरेंद्र मोहन व संजय चौहान, डी. स्वेन। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) के कैंपस प्लेसमेंट के पहले चरण में 70 फीसदी छात्र-छात्राओं को नौकरी मिल गई। देशभर से आईं 12 कंपनियों ने 144 छात्रों का चयन कर लिया है।

शुगर बॉयलिंग पाठ्यक्रम के छात्रों के नए सत्र को चालू हुए अभी डेढ़ महीने हुए हैं। इनका डिप्लोमा अगले साल पूरा होगा लेकिन कंपनियों ने अभी से इन छात्रों का चयन कर लिया है। इन्हें तीन से चार लाख रुपये सालाना वेतन मिलेगा। इसके साथ ही अन्य पाठ्यक्रमों के छात्र-छात्राओं का भी कैंपस प्लेसमेंट हो गया है। इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन और प्लेसमेंट अफसर प्रोफेसर डी. स्वेन ने बताया कि कैंपस प्लेसमेंट के दूसरे चरण के लिए देश की बड़ी आठ कंपनियों ने संपर्क किया है। विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्र-छात्राओं का शत-प्रतिशत कैंपस प्लेसमेंट होने की उम्मीद है।

एनएसआई में अल्कोहल टेक्नोलॉजी के 31, शुगर टेक्नोलॉजी के 27, शुगर इंजीनियरिंग के 20, पर्यावरण विज्ञान के 10, क्वालिटी कंट्रोल के 9, शुगर बॉयलिंग के 40 तथा अन्य कोर्स के सात छात्र-छात्राओं का पहले चरण में कैंपस प्लेसमेंट हो गया है। अल्कोहल टेक्नोलॉजी के छात्रों को पहले चरण में शत-प्रतिशत प्लेसमेंट मिला है। प्लेसमेंट अफसर प्रोफेसर डी. स्वेन ने बताया कि चार से छह लाख के बीच सालाना पैकेज मिलेगा। अल्प अवधि के प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमों का पैकेज दो से तीन लाख रुपये सालाना है। दूसरा चरण अक्तूबर के दूसरे सप्ताह से चालू होगा।

एनएसआई के 144 छात्रों को मिली नौकरी

निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन।

अमृत विचार, कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में प्रथम चरण के कैंपस प्लेसमेंट में 144 छात्रों को नौकरी मिल गई है। इन्हें 12 कंपनियों की ओर से ऑफर लेटर दिए गए हैं। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि इस वर्ष अल्कोहल टेक्नोलॉजी के छात्रों की मांग तेजी से बढ़ रही है। मशीनरी व रसायन निर्माता कंपनियों ने भी छात्रों के चयन में रुचि दिखाई है। इससे विभिन्न पाठ्यक्रमों का कैंपस के द्वारा सौ प्रतिशत प्लेसमेंट संभावित है। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में अब तक डीसीएम श्रीराम शुगर लिमिटेड, डालमिया शुगर मिल्स लिमिटेड, आईएसजीईसी लिमिटेड, रेडिको खेतान लिमिटेड एवं बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड कंपनी सहित एक दर्जन कंपनियों द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों के करीब डेढ़ सौ छात्रों का चयन हुआ है।

अल्कोहल टेक्नोलॉजी के छात्रों को मिला सौ प्रतिशत प्लेसमेंट

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में 8 सितंबर से आरंभ हुए प्लेसमेंट के प्रथम चरण के परिणाम को लेकर प्रबंधन व छात्रों में हर्ष का माहौल है। प्रथम चरण में अब तक 12 प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों के 144 छात्रों का चयन किया जा चुका है। कंपनियों द्वारा शुगर टेक्नोलॉजी, शुगर इंजीनियरिंग, अल्कोहल टेक्नोलॉजी, गुणवत्ता नियंत्रण, शुगर बॉयलिंग एवं पर्यावरण विज्ञान पाठ्यक्रम के छात्रों को लेने में रुचि दिखाई गई। अल्कोहल टेक्नोलॉजी के छात्रों को प्रथम चरण में ही 100 प्रतिशत प्लेसमेंट मिल गया है।

संस्थान निदेशक नरेन्द्र मोहन सोमवार को प्लेसमेंट के प्रथम चरण के विवरणों को लेकर मीडिया से मुखातिब थे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष जहां अल्कोहल टेक्नोलॉजी के छात्रों की मांग तेजी से बढ़ी है, वहीं मशीनरी व रसायन निर्माता कंपनियों ने भी संस्थान के छात्रों को बड़ी संख्या में चयनित किया है। उन्होंने नियोजकों में उत्साह को देखते हुए इस वर्ष विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों के 100 प्रतिशत प्लेसमेंट की उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि अल्कोहल टेक्नोलॉजी के सभी छात्रों को प्लेसमेंट मिल चुका है। कुछ अन्य पाठ्यक्रमों के छात्र तो अगले वर्ष संस्थान से निकलेंगे, उनमें से भी अनेक का चयन किया जा चुका है। उनके मुताबिक इस वर्ष देश के समस्त चीनी उत्पादक राज्यों से या तो चयन किया जा चुका है या उनसे अनुरोध प्राप्त हो चुके हैं। प्लेसमेंट का दूसरा चरण अक्टूबर के द्वितीय सप्ताह से आरंभ होगा।

प्लेसमेंट ऑफिसर डी स्वैन ने बताया कि इस वर्ष मुख्य पाठ्यक्रमों के छात्रों को लगभग ₹ 4-6 लाख सालाना पैकेज पर कंपनियों द्वारा दिया जा रहा है, जबकि अन्य अल्प अवधि के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों यथा शुगर बॉयलिंग व क्वालिटी कंट्रोल के छात्रों को ₹ 2-3 लाख सालाना का पैकेज मिला है। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में त्रिवेणी इंजीनियरिंग एवं इंडस्टीज लिमिटेड, द्वारिकेश शुगर लिमि., धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स के अतिरिक्त देश के अन्य प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा साक्षात्कार आयोजित किये जायेंगे।

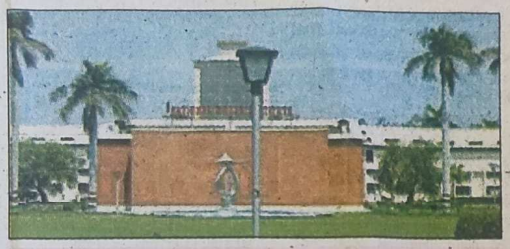

प्रथम चरण में इन कंपनियों ने दिया प्लेसमेंट

प्रथम चरण के प्लेसमेंट में शर्करा संस्थान के छात्रों को जिन कंपनियों ने प्लेसमेंट दिया है, उनमें डीसीएम, श्रीराम शुगर लिमि., डालमिया भारत शुगर लिमि., मवाना शुगर वर्क्स, रेणुका शुगर्स लिमि., एनएसएल शुगर्स, उत्तम शुगर मिल्स लिमि., आईएसजीईसी लिमि., रेडियो खेतान लिमि., बलरामपुर चीनी मिल्स लिमि. सहित 12 संस्थान शामिल हैं।

रिकॉर्ड | राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में टूटे सभी रिकॉर्ड, प्लेसमेंट के लिए आईं कंपनियों ने 44 छात्रों को दिए जॉब के आकर्षक पैकेज, पांच से छह लाख का कंपनियों ने दिया ऑफर

अगस्त में दाखिला, सितंबर में मिली नौकरी

कानपुर,वरिष्ठ संवाददाता। एनएसआई में प्लेसमेंट के सभी रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए हैं। इस बार छात्रों ने अगस्त में विभिन्न कोर्सों में दाखिला लिया और सितंबर में तीन लाख रुपये की नौकरी का ऑफर मिल गया। संस्थान में संचालित विभिन्न डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स में 63 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया था। कुछ चैप्टर ही पढ़े थे कि प्लेसमेंट को आई कंपनियों ने 44 को आकर्षक पैकेज की जॉब दे दी। अहम बात है कि कैंपस प्लेसमेंट के पहले चरण में पहली बार 70 फीसदी छात्रों को जॉब मिल गई, जबकि पिछले वर्षों में तीन चरणों के बाद भी 80% का कैंपस प्लेसमेंट हो पाता था। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि कैंपस प्लेसमेंट में 200 छात्र पंजीकरण हैं, जिसमें 144 को नौकरी मिल गई। अल्कोहल टेक्नोलॉजी के 39 छात्रों को जॉब मिल गई है। आठ से 25 सितंबर के बीच चले प्लेसमेंट ड्राइव के पहले चरण में आई 12 कंपनियों ने शुगर टेक्नोलॉजी, शुगर इंजीनियरिंग, अल्कोहल टेक्नोलॉजी, गुणवत्ता नियंत्रण, शुगर बॉयलिंग व पर्यावरण विज्ञान के 144 छात्रों का चयन कर लिया। तीन छात्रों को छह लाख का पैकेज मिला है। परास्नातक पाठ्यक्रम के छात्रों को पांच से छह लाख और डिप्लोमा सर्टिफिकेट कोर्स के छात्रों ने दो से तीन लाख का पैकेज पाया है। प्रो. डी स्वेन ने बताया कि प्लेसमेंट का दूसरा चरण 27 सितंबर से 15 अक्तूबर के बीच चलेगा, जिसमें त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्री, द्वारिकेश शुगर लि. समेत आठ कंपनियां प्लेसमेंट को आ रहीं। छात्रों का चयन प्रमुख चीनी उत्पादक राज्यों में हुआ है। सह प्लेसमेंट ऑफिसर संजय चौहान आदि रहे।

144 स्टूडेंट्स को पहले चरण में जॉब का मिल गया ऑफर

200 छात्रों ने कैंपस प्लेसमेंट को कराया पंजीकरण

70 फीसदी छात्र छात्राओं को पहले चरण में सफलता

चार माह का कोर्स, दो लाख की जॉब

प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि संस्थान में चार माह के कई शॉर्ट टर्म कोर्स चल रहे हैं। जिनके छात्रों को दो लाख रुपये तक की नौकरी मिली है। पिछले तीन-चार वर्षों में इथेनॉल इकाई और शर्करा उद्योग तेजी से ग्रोथ कर रहा है। नतीजा, छात्रों को बेहतर रोजगार मिल रहा है। कई कंपनियां विभिन्न कोर्सों में सीटें बढ़ाने का भी दबाव बना रही हैं।

एनएसआई में तीन कोर्सों में बढ़ीं सीटें

कोर्स	पुरानी सीट	नई सीट
अल्कोहल टेक्नोलॉजी	38	50
शुगर इंजीनियरिंग	32	40
क्वालिटी कंट्रोल	20	30

मांग में वृद्धि तो बढ़ा दीं सीटें

अल्कोहल टेक्नोलॉजी, शुगर इंजीनियरिंग और क्वालिटी कंट्रोल के विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है। इंडस्ट्री की मांग के मुताबिक छात्रों की संख्या कम पड़ रही है जिसे देखते हुए मंत्रालय के निर्देशानुसार इस सत्र से सीटों में इजाफा किया गया है।

रिकॉर्ड चीनी व इथेनॉल का लक्ष्य पूरा

इस वर्ष चीनी और इथेनॉल का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है। इथेनॉल का लक्ष्य भी पूरा हुआ है। इस साल 158 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है, जिसमें 112 लाख टन निर्यात करने की तैयारी है। वहीं, पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेडिंग के 10% लक्ष्य को भी पूरा करने की तैयारी है। 435 से 450 करोड़ लीटर इथेनॉल उत्पादन होगा। इसमें 40 से 50 करोड़ ली. इथेनॉल अनाज से व बाकी चीनी से तैयार होगा।